महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय बरेली
राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020

स्नातक पाठ्यक्रम के सेमेस्टर वार प्रश्नपत्र
विषय : हिन्दी भाषा

वर्ष	सेमेस्टर	प्रश्नपत्र का शीर्षक	लिखित/ प्रयोगात्मक	क्रेडिट्स
बी0ए0 प्रथम वर्ष	प्रथम	हिंदी भाषा का उद्भव और विकास	लिखित	06
बी0ए0 प्रथम वर्ष	द्वितीय	हिंदी की संवैधानिक स्थिति और अन्य भारतीय भाषाएं	लिखित	06
बी0ए0 द्वितीय वर्ष	तृतीय	हिंदी का प्रायोगिक व्याकरण	लिखित	06
बी0ए0 द्वितीय वर्ष	चतुर्थ	हिंदी भाषा का प्रयोजन – मूलक स्वरूप	लिखित	06
बी0ए0 तृतीय वर्ष	पंचम	21वीं सदी में कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी और हिन्दी भाषा	लिखित	05
बी0ए0 तृतीय वर्ष	पंचम	जनसंचार और हिन्दी भाषा	लिखित	05
बी0ए0 तृतीय वर्ष	षष्ठ	भाषा विज्ञान	लिखित	04
बी0ए0 तृतीय वर्ष	षष्ठ	पत्रकारिता	लिखित	04
बी0ए0 तृतीय वर्ष	षष्ठ	मौखिकी	प्रयोगात्मक	02

20/03/23
Principal
A.K. (PG) College, Hapur
बाह्य विशेषज्ञ

20-3-2023
(प्रो0 वीना रूस्तगी)
संयोजिका, हिन्दी पाठ्य समिति
जी.एस.एस.पी.जी.कॉलेज, अमरोहा

20.3.2023
विशेषज्ञ आमंत्रित

20.3.23
सदस्य BOS

20/3/2023
सदस्य BOS

प्रथम सेमेस्टर हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास

Course outcomes		
हिन्दी भाषा के विद्यार्थियों को भाषा की उत्पत्ति और उसके विकास की मूलभूत जानकारी होगी ताकि वे देश और विदेश की संस्कृति को समझ सकें। कौन–कौन सी बोलियाँ आज देश और विदेश में बोली जाती हैं और कौन सी विलुप्त हो चुकी हैं अपनी मनपसंद भाषाओं को चुनकर विद्यार्थी देश और विदेश में रोजगार या व्यापार कर सकते हैं।		
प्रथम सेमेस्टर	पाठ्यक्रम 1. भारतीय ज्ञान परंपरा से कृत्रिम मेधा तक हिंदी हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ–पाली, प्राकृत, शौरसेनी, अर्धमागधी, अपभ्रंश, पुरानी हिंदी, मानक हिंदी, अपभ्रंश और पुरानी हिंदी, का सम्बन्ध 2. हिंदी की उपभाषाएं और बोलियाँ पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिंदी, पहाड़ी हिंदी, राजस्थानी हिंदी, बिहारी हिंदी 3. क्षेत्रीय बोलियाँ सामान्य परिचय क्षेत्रीय बोलियों का विकास, खड़ी बोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ। 4. वैश्विक स्तर पर हिन्दी का विकास संदर्भ ग्रंथ 1. हिंदी भाषा का उद्भव और विकास – उदय नारायण तिवारी 2. हिंदी भाषा का इतिहास – धीरेन्द्र वर्मा 3. हिंदी भाषा उद्भव, विकास और रूप – हरदेव बाहरी 4. हिंदी भाषा – हरदेव बाहरी 5. हिंदी भाषा : इतिहास एवं स्वरूप – राजमणि शर्मा 6. हिंदी भाषा का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य – डॉ0 राज किशोर शर्मा 7. हिंदी भाषा का इतिहास – भोलानाथ तिवारी 8. हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान – नामवर सिंह	क्रेडिट/ व्याख्यान 6/90
	अंक विभाजन– खण्ड अ. अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम शब्द 75) 5X3 = 15 खण्ड ब. लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम शब्द 200) 2X7.5 = 15 खण्ड स. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित अधिकतम शब्द 500) 3X15 = 45 आन्तरिक मूल्यांकन (लिखित परीक्षा – 15, प्रोजेक्ट – 05, मौखिकी 05 = 25 100	

द्वितीय सेमेस्टर हिन्दी की संवैधानिक स्थिति और भारतीय भाषाएं

Course outcomes

हिन्दी भाषा को विश्व भाषा बनाने के लिए साहित्यकार, सामाजिक तथा संगठन एवं राजनीतिज्ञ अपने–अपने प्रकार से प्रयासरत हैं। देश में हिंदी भाषा की वैधानिक स्थिति क्या है तथा राजभाषा आयोग हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने के लिए प्रयासरत है, इन सभी की जानकारी पाठ्यक्रम के इस खंड में विद्यार्थियों को दी जाएगी। हिंदी भाषा की लिपि देवनागरी के विकास और उसकी विशेषताओं के संबंध में विद्यार्थी भलीभांति अवगत होंगे।

द्वितीय सेमेस्टर	पाठ्यक्रम	क्रेडिट / व्याख्यान 6 / 90
	1. हिंदी की संवैधानिक स्थिति– भाषा के विविध रूप – संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा संचार भाषा 2. राजभाषा तात्पर्य एवं महत्व। राजभाषा आयोग राजभाषा अधिनियम राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी की संभावनाएँ 3. अन्य भारतीय भाषाएँ (संविधान में स्वीकृत) संक्षिप्त परिचय 4. देवनागरी लिपि उद्‌भव और विकास नामकरण विशेषताएँ एवं मानकीकरण वैज्ञानिकता सीमाएँ और संभावनाएँ वर्तमान संदर्भ में देवनागरी लिपि की सार्थकता संदर्भ ग्रंथ 1. नागरी लिपि और हिंदी वर्तनी – डॉ अनंत चौधरी 2. राष्ट्रभाषा और हिंदी – राजेन्द्र मोहन भटनागर 3. राष्ट्रभाषा और राष्ट्रीयता – दिनकर 4. राजभाषा के आंदोलन में – राजनारायण दुबे 5. हिंदी भाषा का विकास – डॉ0 देवेन्द्र नाथ शर्मा 6. हिन्दी भाषा और लिपि का विकास – डॉ सत्यनारायण त्रिपाठी 7. देवनागरी लिपि और उसकी समस्या – नरेश मिश्र 8. देवनागरी लिपि तथा हिंदी वर्तनी का मानकीकरण – केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय	
	अंक विभाजन– खण्ड अ. अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम शब्द 75) 5X3 = 15 खण्ड ब. लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम शब्द 200) 2X7.5 = 15 खण्ड स. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित अधिकतम शब्द 500) 3X15 = 45 आन्तरिक मूल्यांकन (लिखित परीक्षा – 15, प्रोजेक्ट – 05, मौखिकी 05 = 25 100	

तृतीय सेमेस्टर हिंदी का प्रायोगिक व्याकरण

Course outcomes

भारतीय ज्ञान परम्परा से विकसित हिंदी एक वैज्ञानिक भाषा है इस पाठ्यक्रम में विद्यार्थी शब्द संरचना, वाक्य विन्यास, स्वर, व्यंजनों के साथ–साथ संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया इत्यादि की भाषा के व्याकरण को भली भांति समझ सकेंगे;

तृतीय सेमेस्टर	पाठ्यक्रम	क्रेडिट / व्याख्यान 6/90
	1. हिन्दी भाषा की प्रकृति हिंदी ध्वनियों का स्वरूप वर्गीकरण स्वर और व्यंजन संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण हिन्दी वाक्य संरचना – पद क्रम और अन्विति 2. हिंदी शब्द संरचना, पर्यायवाची, समानार्थी, विलोमार्थी, एकार्थी अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द, समूहार्थक शब्दों के प्रयोग निकटार्थी शब्दों के सूक्ष्म अर्थ – भेद समनार्थी शब्दों के भेद 3. लिंग विधान और कारक प्रयोग 1. वर्तनी 2. विरामादि चिन्हों के प्रयोग 3. मुहावरे और लोकोक्तियां तथा उनके रचनात्मक प्रयोग, उपसर्ग, प्रत्यय और समास आदि का विश्लेषणात्मक अध्ययन 4. रस एवं उनके अवयवों का सामान्य परिचय, रस के भेद और महत्ता अलंकार सामान्य परिचय– अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, विभावना, विशेषोक्ति, अपन्हुति, प्रतीप का सामान्य अध्ययन छन्द का सामान्य परिचय– बरवै, सवैया, रोला, कवित्त, दोहा, चौपाई, सोरठा का सामान्य अध्ययन संदर्भ ग्रंथ 1. हिंदी भाषा की शब्द संरचना – डॉ0 भोलानाथ तिवारी 2. हिंदी में अशुद्धियां –डॉ0 रमेश चन्द्र मेहरोत्रा 3. हिंदी प्रयोग की दिशाएं – डॉ0 हरिश्चन्द्र 4. राजभाषा हिंदी – गोविंद दास 5. राजभाषा आंदोलन – गोपाल परशुराम 6. आधुनिक हिंदी व्याकरण एवं संरचना – वासुदेव नंदन प्रसाद 7. ध्वनि विज्ञान – गोलोक बिहारी ढल 8. काव्यशास्त्र – डॉ0 भागीरथ मिश्र 9. भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ0 निशा अग्रवाल	
	अंक विभाजन– खण्ड अ. अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम शब्द 75) 5X3 = 15 खण्ड ब. लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम शब्द 200) 2X7.5 = 15 खण्ड स. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित अधिकतम शब्द 500) 3X15 = 45 आन्तरिक मूल्यांकन (लिखित परीक्षा – 15, प्रोजेक्ट – 05, मौखिकी 05 = 25 100	

चतुर्थ सेमेस्टर हिंदी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप

Course outcomes

रोजगार के रूप में हिंदी का क्या प्रयोग किया जा सकता है, क्या प्रयोजन है क्या उपयोगिता है आदि के बारे में विद्यार्थी परिचित हो गए और रोजगार के लिए हिन्दी का प्रयोग करेंगे

चतुर्थ सेमेस्टर	पाठ्यक्रम	क्रेडिट / व्याख्यान 6/90
	1. प्रयोजनमूलक हिन्दी की अवधारणा एवं विकास प्रयोजनमूलक हिंदी से तात्पर्य प्रयोजनमूलक हिंदी की संरचना एवं अनुप्रयोग प्रयोजनमूलक हिंदी की उपयोगिता साहित्यिक और प्रयोजनमूलक हिंदी में अंतर 2. प्रयोजनमूलक हिंदी हेतु मानक वर्तनी और निर्धारित नियम 3. प्रारूपण, टिप्पण, संक्षेपण, पल्लवन, प्रतिवेदन एवं पत्र लेखन 4. अनुवाद अनुवाद : स्वरूप और क्षेत्र अनुवाद की प्रविधि एवं प्रक्रिया अनुवाद का व्यवहारिक पक्ष संदर्भ ग्रंथ 1. हिंदी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप – कैलाश चन्द्र भाटिया 2. प्रयोजनमूलक कामकाजी हिंदी – कैलाश चन्द्र भाटिया 3. प्रयोजनमूलक हिंदी : संरचना एवं अनुप्रयोग – रामप्रकाश 4. प्रयोजनमूलक हिंदी – रामप्रकाश 5. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ0 राकेश कुमार पाराशर 6. अनुवाद सिद्धांत एवं प्रक्रिया – प्रो0 विजय कुलश्रेष्ठ 7. अनुवाद विज्ञान और संप्रेषण – डॉ0 हरिमोहन	
	अंक विभाजन– खण्ड अ. अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम शब्द 75) 5X3 = 15 खण्ड ब. लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम शब्द 200) 2X7.5 = 15 खण्ड स. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित अधिकतम शब्द 500) 3X15 = 45 आन्तरिक मूल्यांकन (लिखित परीक्षा – 15, प्रोजेक्ट – 05, मौखिकी 05 = 25 100	

पंचम सेमेस्टर प्रथम प्रश्न पत्र

21वीं सदी में कंप्यूटर प्रौद्योगिकी और हिंदी भाषा

Course outcomes

आज सूचना और प्रौद्योगिकी का युग है। अतः हिंदी भाषा के विद्यार्थी कंप्यूटर और प्रौद्योगिकी की पर्याप्त जानकारी के साथ–साथ, इनका उपयोग कर किस प्रकार रोजगार प्राप्त कर सकते हैं कि दृष्टि से पाठयक्रम का यह खंड उपयोगी सिद्ध होगा।

पंचम सेमेस्टर	पाठ्यक्रम	क्रेडिट / व्याख्यान 5/75
	1. मन, मशीन और भाषा हिंदी भाषा और कंप्यूटर का विकास क्रम कंप्यूटर का इतिहास और सामान्य परिचय – मॉनिटर, हार्ड डिस्क, माउस, सीपीयू, मदरबोर्ड 2. कंप्यूटर में हिंदी भाषा के विकास का इतिहास कंप्यूटर के साथ हिंदी का भविष्य इंटरनेट और हिंदी ईमेल, एचटीटीपी (http), डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू (www) हिंदी में उपलब्ध सॉफ्टवेयर एवं वेबसाइट इंटरनेट पर उपलब्ध पत्र पत्रिकाएँ इंटरनेट पर उपलब्ध्य दृश्य, श्रव्य सामग्री 3. हिंदी ब्लॉग, फेसबुक– पेज, ई–पुस्तकालय सामग्री सरकारी तथा गैरसरकारी चैनल, ज्ञानदर्शन, ई–पाठशाला, स्वयं, आमासी कक्षाएँ 4. हिंदी भाषा के विभिन्न फॉण्ट यूनिकोड, स्पीच टू टेक्स्ट, प्रौद्योगिकी हिंदी पीपीटी स्लाइड और पोस्टर निर्माण कम्प्यूटर शब्दावली संदर्भ ग्रंथ 1. कंप्यूटर अध्ययन की प्रमुख अवधारणाएँ – मिझोग वांग (Meizhong Wang) 2. कंप्यूटर साइंस विद सी प्लस प्लस – सुमिता अरोरा 3. कंप्यूटर और हिंदी – हरिमोहन 4. हिंदी भाषा और कंप्यूटर – संतोष गोयल 5. कार्यालयी हिंदी और कंप्यूटर – डॉ0 पुनीत बिसारिया, डॉ0 वीरेन्द्र सिंह यादव, डॉ0 यतेन्द्र सिंह कुशवाहा 6. राजभाषा हिंदी के विकास में कंप्यूटर एवं प्रौद्योगिकी का योगदान – डॉ0 अमित कुमार झा	
	अंक विभाजन– खण्ड अ. अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम शब्द 75) 5X3 = 15 खण्ड ब. लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम शब्द 200) 2X7.5 = 15 खण्ड स. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित अधिकतम शब्द 500) 3X15 = 45 आन्तरिक मूल्यांकन (लिखित परीक्षा – 15, प्रोजेक्ट – 05, मौखिकी 05 = 25 100	

पंचम सेमेस्टर द्वितीय प्रश्न पत्र

जनसंचार और हिंदी भाषा

Course outcomes

इस पाठ्यक्रम से समाज में कौन–कौन से ऐसे माध्यम हैं, जहाँ हिंदी का प्रयोग कर रोजगार या सामूहिक जागरूकता उत्पन्न की जा सकती है और उनके लिए संप्रेषण की प्रभावशाली भाषा क्या हो सकती है, आज विज्ञापन क्यों आवश्यक है, विद्यार्थियों को पर्याप्त जानकारी हो सकेगी।

पंचम सेमेस्टर	पाठ्यक्रम	क्रेडिट / व्याख्यान 5/75
	1. संचार माध्यमों में हिंदी का प्रयोग आवश्यकता और प्रकार, संचार माध्यम में भाषा की प्रकृति बोधगम्यता एवं संप्रेषण की समस्या, मानकीकरण, आधुनिकीकरण और शैलीकरण की समस्या, 2. समाचार पत्रों में हिंदी भाषा समसामयिक सूचनाओं का भाषा पर प्रभाव, 3. दूरदर्शन और आकाशवाणी पर हिंदी भाषा दृश्य–श्रवण सारणिका, हिंदी भाषा पर दबाब दूरदर्शन फिल्मों की हिंदी भाषा, संवाद की सहभागिता, फिल्म और दूरदर्शन की भाषा में अंतर। हिंदी का विकास और आकाशवाणी की भाषा, मौखिक भाषा की प्रकृति, मानक उच्चारण, प्रस्तुतीकरण की स्वाभाविकता 4. विज्ञापनों में हिंदी भाषा विज्ञापनों की सफलता में भाषा का योगदान, भाषागत विशेषताएँ हिंदी भाषा और सम्प्रेषण संदर्भ ग्रंथ 1. सूचना प्रौद्योगिकी और समाचार पत्र – रविंद्र शुक्ला 2. जनसंचार सिद्धांत और अनुप्रयोग – विष्णु राजगढ़िया 3. सूचना का अधिकार – विष्णु राजगढ़िया, अरविंद केजरीवाल 4. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया – अजय कुमार सिंह 5. न्यू मीडिया इंटरनेट की भाषायी चुनौतियाँ और संभावनाएँ – आर. अनुराधा 6. भारत में जनसंचार और प्रसारण मीडिया – मधुकर ले ले 7. समाचार पत्र प्रबंधन – गुलाब कोठारी 8. मीडिया का अंडरवर्ल्ड – दिलीप मंडल 9. संस्कृति विकास और संचार क्रांति – पीसी जोशी 10. पूंजीवाद और सूचना युग – मैक्वेस्नी वुड 11. संचार माध्यमों का वर्ग चरित्र – रेमंड विलियम्स 12. टेलीविजन की कहानी – श्याम कश्यप, मुकेश कुमार 13. जनमाध्यम सिद्धांतिकी – जगदीश्वर चतुर्वेदी, सुधा सिंह	
	अंक विभाजन– खण्ड अ. अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम शब्द 75) 5X3 = 15 खण्ड ब. लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम शब्द 200) 2X7.5 = 15 खण्ड स. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित अधिकतम शब्द 500) 3X15 = 45 आन्तरिक मूल्यांकन (लिखित परीक्षा – 15, प्रोजेक्ट – 05, मौखिकी 05 = 25 100	

षष्ठ सेमेस्टर प्रथम प्रश्न पत्र
भाषा विज्ञान

Course outcomes

इस सेमेस्टर में भाषा विज्ञान के अंतर्गत विद्यार्थियों को भाषा के विभिन्न भागों, शब्द रचना, शब्दों का जीवन, भाषा चिंतन, शब्द विज्ञान, वाक्य रचना आदि के उद्‌भव और विकास की ऐतिहासिक जानकारी कराना है। साथ ही, इस क्षेत्र में शोध हेतु विद्यार्थियों को प्रेरित भी करना है।

षष्ठ सेमेस्टर	पाठ्यक्रम	क्रेडिट/ व्याख्यान 4/60
	1. भाषा और भाषा विज्ञान की परिभाषा एवं स्वरूप भारत में भाषा चिंतन भाषा विज्ञान का इतिहास भाषा और संप्रेषण भाषा विज्ञान के अध्ययन की पद्धतियां 2. स्वन विज्ञान और स्वनिम विज्ञान स्वनिम का वर्गीकरण स्वन परिवर्तन के कारण स्वनिम के भेद : खंडीय एवं खंडेतर 3. रूप विज्ञान और रूपिम विज्ञान – सामान्य परिचय रूप, रूपिम, सहरूप शब्द और पद अर्थ तत्व एवं संबंध तत्व 4. वाक्य विज्ञान एवं अर्थ विज्ञान वाक्य रचना के आधार वाक्य के प्रकार शब्द और अर्थ का संबंध अर्थ प्रतीति के साधन अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ 5. भाषा में शोध की अद्‌यतन स्थिति और उसकी सीमाएँ संदर्भ ग्रंथ सूची 1. सामान्य भाषा विज्ञान – बाबूराम सक्सैना 2. भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी 3. भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्र नाथ शर्मा 4. आधुनिक भाषा विज्ञान – राजमणि शर्मा 5. भाषा शास्त्र की रूपरेखा – उदय नारायण तिवारी 6. भाषा और समाज – रामविलास शर्मा 7. हिंदी भाषा का इतिहास – धीरेन्द्र वर्मा 8. सामान्य भाषा विज्ञान – वैश्ना नारंग 9. अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान – प्रवीण नाथ श्रीवास्तव	
	अंक विभाजन– खण्ड अ. अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम शब्द 75) 5X3 = 15 खण्ड ब. लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम शब्द 200) 2X7.5 = 15 खण्ड स. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित अधिकतम शब्द 500) 3X15 = 45 आन्तरिक मूल्यांकन (लिखित परीक्षा – 15, प्रोजेक्ट – 05, मौखिकी 05 = 25 100	

षष्ठ सेमेस्टर द्वितीय प्रश्न पत्र
पत्रकारिता

Course outcomes		
पत्रकारिता वर्तमान युग में अभिव्यक्ति का सर्वाधिक सशक्त माध्यम है, जिसे लोकतंत्र का चतुर्थ स्तम्भ माना जाता है। इसका अध्ययन विद्यार्थियों के लिए रोजगार परक सिद्ध होगा।		
षष्ठ सेमेस्टर	पाठ्यक्रम	क्रेडिट / व्याख्यान 4 / 60
	1. पत्रकारिता की अवधारणा और स्वरूप पत्रकारिता का अर्थ पत्रकारिता का महत्व पत्रकारिता : कला एवं विज्ञान 2. हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव और विकास भारतेन्दु युगीन हिन्दी पत्रकारिता द्विवेदी युगीन हिन्दी पत्रकारिता स्वातंत्रयोत्तर हिन्दी पत्रकारिता हिन्दी पत्रकारिता का वर्तमान परिदृश्य 3. समाचार अर्थ एवं परिभाषा श्रेष्ठ समाचार के आवश्यक तत्व समाचार स्रोत एवं चयन प्रक्रिया समाचार समितियाँ 4. सम्पादन कला – सम्पादन का अर्थ, उद्देश्य, महत्व एवं सिद्धांत। संपादक के कार्य, श्रेष्ठ सम्पादक के गुण संदर्भ ग्रंथ सूची 1. हिन्दी पत्रकारिता – पं0 कृष्ण बिहारी मिश्र 2. पत्रकारिता के विविध रूप – डॉ0 रामचन्द्र तिवारी 3. स्वतंत्रता आंदोलन और हिन्दी पत्रकारिता – डॉ0 अर्जुन तिवारी 4. पत्रकारिता के मूल तत्व – डॉ0 ए0आर0 डंगवाल 5. हिन्दी पत्रकारिता : कल और आज – डॉ0 सुरेश तिवारी 6. समाचार पत्र एवं समाचार प्रेषण – प्रो0 विजय कुलश्रेष्ठ, डॉ बीना रूस्तगी 7. हिन्दी पत्रकारिता का स्वरूप एवं चुनौतियाँ – सम्पादक डॉ0 बब्लू सिंह 8. हिन्दी पत्रकारिता स्वरूप एवं संदर्भ – विनोद गोदरे 9. समाचार संकलन और लेखन – नन्द किशोर त्रिखा 10. समाचार पत्र कला– अम्बिका प्रसाद वाजपेयी 11. संपादन के सिद्धांत – डॉ0 राम चन्द्र तिवारी	
	अंक विभाजन– खण्ड अ. अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम शब्द 75) 5X3 = 15 खण्ड ब. लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम शब्द 200) 2X7.5 = 15 खण्ड स. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित अधिकतम शब्द 500) 3X15 = 45 आन्तरिक मूल्यांकन (लिखित परीक्षा – 15, प्रोजेक्ट – 05, मौखिकी 05 = 25 100	

षष्ठ सेमेस्टर तृतीय प्रश्न पत्र
मौखिकी

अंक विभाजन–

आन्तरिक मूल्यांकन – 25 अंक
इसका वर्गीकरण निम्नवत किया जायेगा।
एसाइनमेन्ट / सेमिनार – 10 अंक
मौखिकी – 10 अंक
उपस्थिति – 5 अंक

मौखिकी/प्रायोगिक परीक्षा – 75 अंक
इसका वर्गीकरण निम्नवत किया जायेगा।
लघु प्रोजेक्ट – 25 अंक
मौखिकी – 50 अंक
लघु प्रोजैक्ट तथा मौखिकी का मूल्यांकन बाह्य एवं आन्तरिक परीक्षक द्वारा संयुक्त रूप में किया जायेगा।

20-3-2023